दौरान, आपके बैंक ने निजी इक्विटी/वैकल्पिक निवेश कोष में 1,500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश को मंजूरी दी।

विदेशी मुद्रा बाजार

वैश्विक बाजार आपके बैंक के विदेशी मुद्रा कारोबार को संभालता हैं, ग्राहकों को उनके मुद्रा प्रवाह के प्रबंधन हेतु समाधान प्रदान करता है और बाजार को तरलता प्रदान करने के अतिरिक्त, विकल्प, स्वैप और फॉरवर्ड के माध्यम से जोखिमों से बचाव करता हैं। आपका बैंक यूएसडी-रुपया स्पॉट और यूएसडी-रुपया फॉरवर्ड बाजारों में अग्रणी प्रतिभागी है और व्यापारी विदेशी मुद्रा प्रवाह में उच्च बाजार हिस्सेदारी रखता है। आपका बैंक सीसीआईएल एफएक्स क्लियर प्लेटफॉर्म में तरलता प्रदान करने में सबसे आगे है। करेंसी फ्यूचर्स में ट्रेड किया गया वॉल्यूम आपके बैंक को एक्सचेंज हाउस के प्रमुख क्लाइंट बैंकों की श्रेणी में रखता है। आपका बैंक सीसीआईएल द्वारा शुरू किए गए एफएक्स-रिटेल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रूप से ग्राहकों को शामिल कर रहा है, जिसके माध्यम से ग्राहक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण से लाभान्वित होंगे। आपके बैंक ने ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एफएक्स-ऑल और ई-फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए हैं।

पिछले वर्ष, आरबीआई ने भारतीय बैंकों को अपतटीय यूएसडी-रुपया बाजारों में भाग लेने की अनुमति दी थी, जिसे एनडीएफ बाजार या नॉन-डिलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स (एनडीसीसी) के रूप में भी जाना जाता है। तदनुसार, आपके बैंक ने अपतटीय यूएसडी-रुपया बाजार में भाग लेना प्रारंभ कर दिया है और उस बाजार का एक प्रमुख प्रतिभागी है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान भारत के व्यापारिक लेनदेन की मात्रा में वर्ष-दर-वर्ष 49.80% की मजबूत वृद्धि देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप आपके बैंक के लिए मर्चेंट वॉल्यूम में भी सुधार हुआ है।

वायदा कारोबार (डेरिवेटिव्स

आपका बैंक वर्तमान में ओवर द काउंटर (ओटीसी) ब्याज दर और मुद्रा डेरिवेटिव्स के साथ-साथ एक्सचेंज-ट्रेडेड करेंसी डेरिवेटिव्स और ब्याज दर फ्यूचर्स में डील करता है। आपके बैंक द्वारा कारोबार किए जाने वाले ब्याज दर डेरिवेटिव में रुपया ब्याज दर स्वैप (ओआइएस), रुपया ब्याज दर फ्यूचर्स (आईआरएफ), विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वैप (आइआरएस), विदेशी मुद्रा से रुपया ब्याज दर स्वैप (एमआइएफओआर), फॉरवर्ड रेट एग्रीमेंट (एफआरए), कैप्स, फ्लोर और कॉलर हैं। आपके बैंक द्वारा निपटाए गए मुद्रा डेरिवेटिव्स क्रॉस करेंसी स्वैप (सीसीएस), यूएसडी/आईएनआर विकल्प और क्रॉस करेंसी विकल्प हैं। आपके बैंक के ग्राहकों को ये उत्पाद और उनके अनुकूलित संस्करण ब्याज दर और विदेशी मुद्रा एक्सपोजर को हेज करने के लिए पेश किए जाते हैं। आपके बैंक द्वारा डेरिवेटिव का उपयोग व्यापार के साथ-साथ बैलेंस शीट हेजिंग उद्देश्यों के लिए भी किया जाता है।

आपके बैंक ने सभी लिबोर सेटिंग्स के लिए लिबोर से वैकल्पिक संदर्भ दरों (एआरआर) में परिवर्तन को सुचारू रूप से पूरा कर लिया है, जिन्हें 31 दिसंबर 2021 से चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया गया है। पिछले कुछ महीनों से, आपका बैंक हमारे ग्राहकों को संक्रमण के बारे में लगातार जागरूक कर रहा है और 1 जनवरी 2022 से एआरआर आधारित उत्पाद जैसे एफसीएनआर (बी) ऋण, पीसीएफसी/ईबीआर ऋण और डेरिवेटिव उत्पाद शुरू किए हैं।

डेरिवेटिव्स लेनदेन में बाजार जोखिम होता है, अर्थात ब्याज दरों/विनिमय दरों में प्रतिकूल उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप आपके बैंक को संभावित नुकसान हो सकता है। इसमें ऋण जोखिम भी होता है, यानी सामने वाला पक्ष अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहते हैं तो आपके बैंक को संभावित नुकसान हो सकता है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित आपके बैंक की "डेरिवेटिव्स नीति" डेरिवेटिव्स लेनदेन करने के लिए बाजार जोखिम मानदंड (अन्य के साथ-साथ ग्रीक लिमिट, लॉस लिमिट, कट-लॉस ट्रिगर, खुली स्थिति सीमा, अवधि, संशोधित अवधि, पीवी01) और ग्राहक पात्रता मानदंड (ऋण रेटिंग, संस्वीकृति सीमाएं एवं ग्राहक उपयुक्तता नीति के अनुसार सीएएस रेटिंग) निर्धारित करती है। अंतर बैंक प्रतिपक्षों के जोखिम की निगरानी इस प्रयोजन के लिए निर्धारित सीमाओं के माध्यम से की जाती है। इन प्रतिपक्षों ने हमारे साथ आइएसडीए भी निष्पादित किया है।

विभिन्न प्रकार के जोखिमों की निगरानी के लिए आपके बैंक में विभिन्न समितियां और विभाग हैं। आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) कुशल चलनिधि प्रबंधन की निगरानी करती है। बाजार जोखिम प्रबंधन विभाग (एमआरएमडी) डेरिवेटिव्स लेनदेन से जुड़े बाजार जोखिमों की पहचान, उपाय और निगरानी करता है। यह विभाग इन जोखिमों के नियंत्रण और प्रबंधन में भी आस्ति देयता और प्रबंधन समिति की सहायता करता है और नियमित अंतराल पर बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को निर्धारित नीति के अनुपालन की रिपोर्ट करता है।

डेरिवेटिव के लेखांकन की नीति आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार की गई है।

ग. अंतरराष्ट्रीय परिचालन

सही मायने में अंतरराष्ट्रीय बैंक बनने के अपने प्रयास में, आपके बैंक का ध्यान विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में फैले भारतीय प्रवासियों और वैश्विक भारतीय कंपनियों का समर्थन करने के लिए भारत आधारित व्यवसाय के साथ विदेशी स्थानीय बाजारों में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए फिर से संगठित किया गया है। आपके बैंक के विदेशी परिचालनों का प्रबन्धन एक अलग व्यापार इकाई द्वारा किया जाता है - अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) जिसकी अध्यक्षता उप प्रबंध निदेशक (आईबीजी) द्वारा की जाती है और इसकी देखरेख एमडी (आईबी, टीएंडएस) द्वारा की जाती है।

विदेश स्थित बैंकिंग अनुषंगियां/ संयुक्त उद्यम	शेयरधारिता (%)
अनुषंगियां	
भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया)	100.00
एसबीआई कनाडा बैंक	100.00
भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड	100.00
कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी	60.00
एसबीआई(मॉरिशस) लिमिटेड	96.60
बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	99.34
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	55.00
विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगियां	
एसबीआई सर्विकोस लिमिटाडा, ब्राजील	99.99
संयुक्त उद्यम	
बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड	20.00

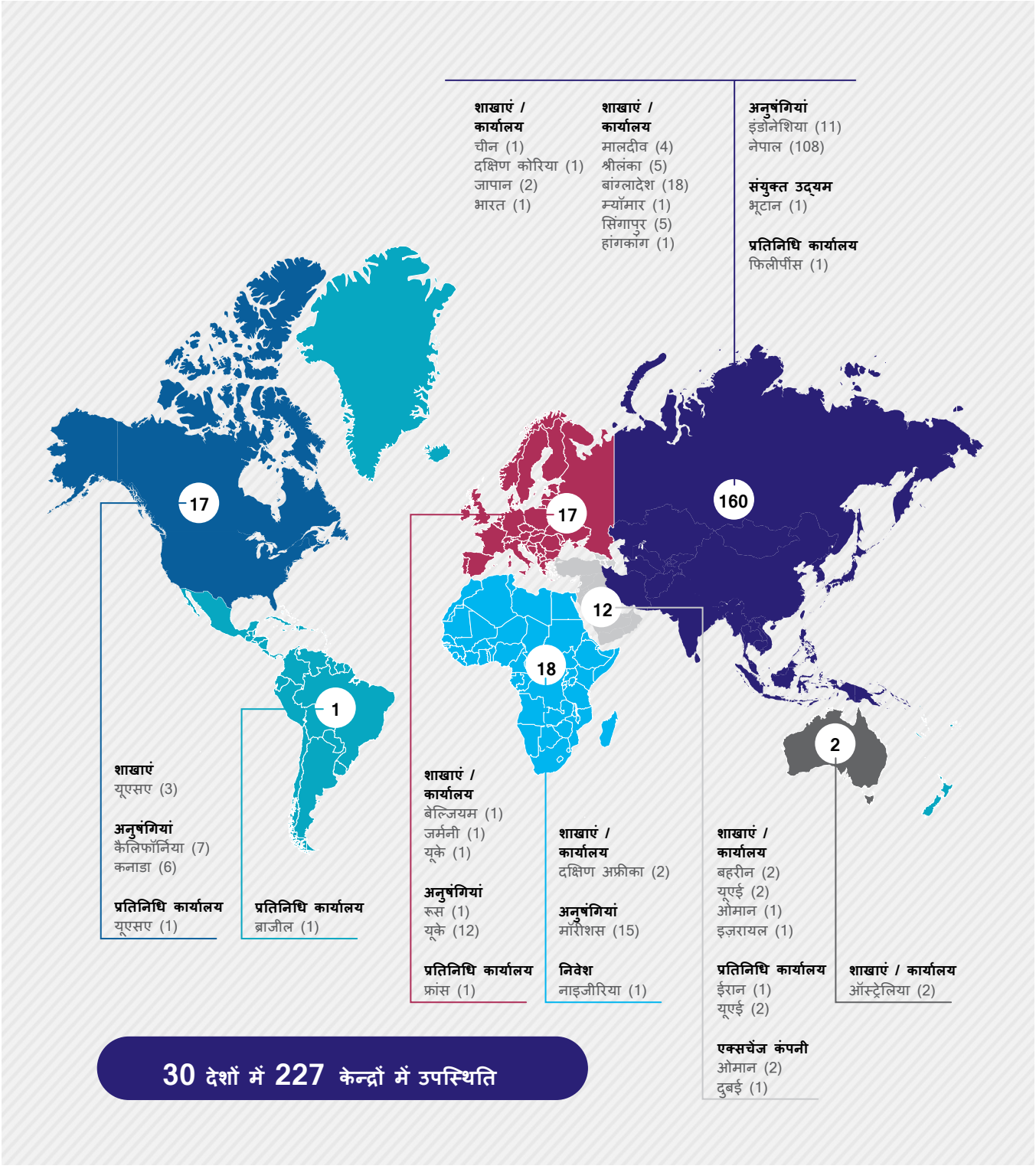

वैश्विक उपस्थिति: बैंक की पहली वैश्विक उपस्थिति जुलाई 1864 में कोलंबो, श्री लंका में बैंक ऑफ मद्रास की शाखा (भारतीय बैंकों में प्रथम) के साथ दर्ज हुई। 30 देशों में 227 कार्यालयों के माध्यम से सभी समय क्षेत्रों में उपस्थिति के साथ, भारतीय स्टेट बैंक धीरे-धीरे दुनिया भर में अपने पंख फैला चुका है और भारतीय पीएसबी के बीच अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में अग्रणी बन गया है। एसबीआई के विदेशी कार्यालयों का प्रबंधन आईबीजी द्वारा किया जा रहा है ।

वित्त वर्ष 22 के दौरान, आपके बैंक ने अभीष्ट प्रदर्शन न करने वाले कार्यालयों को तर्कसंगत बनाकर अपने विदेशी संचालन को मजबूत करना जारी रखा जिससे लागत क्षमता में सुधार हो सके। बैंक ने एक विदेशी अनुषंगी-बैंक एसबीआई बोत्सवाना लिमिटेड को बंद कर दिया है और इसकी सहायक-एसबीआई यूके लिमिटेड की इलफोर्ड शाखा का ईस्ट हैम शाखा में विलय कर दिया गया है। इस अवधि के दौरान, आपके बैंक ने कोविड 19 महामारी के कारण समेकन और मौजूदा वैश्विक परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित करने के कारण नई शाखाएं / कार्यालय नहीं खोले हैं। कुल मिलाकर आईबीजी में वित्त वर्ष 2022 के अंत में 55 शाखाओं / कार्यालयों के साथ 227 कार्यालय थे, 161 शाखाओं / कार्यालयों के साथ 8 सहायक कंपनियां थीं, साथ ही 6 प्रतिनिधि कार्यालय और 5 प्रबंधित एक्सचेंज जेवी/ एसोसिएट्स थे।

महामारी के दौरान बैंक की प्रतिबद्धता : आपके बैंक ने कोविड महामारी के नए रूपों के कारण आने वाली विषम चुनौतियों के बावजूद अपने व्यापार की मात्रा को बढ़ा करके विदेशी भौगोलिक क्षेत्रों में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना जारी रखा है।

आईबीजी ने अपने दायित्व आधार में विविधता लाकर विभिन्न कम लागत वाले विकल्पों के साथ अपने उच्च लागत वाले संसाधनों को प्रतिस्थापित करके बाजार में तरलता की कमी को देखते हुए संसाधनों की अपनी लागत को अनुकूलित करने के लिए अच्छी तरह से समायोजित किया है। इसने खुदरा जमा में वृद्धि के लिए अपने डिजिटल मूल्य वर्धित उत्पाद एसबीआई योनो को नए भौगोलिक प्रदेशों में लांच किया है जिससे संपर्क रहित उत्पाद से इसका प्रसार बढ़ सके।

विभिन्न महामारी संबंधी चुनौतियों के बावजूद, आईबीजी ने संपत्ति की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए, वर्ष के दौरान अपने विदेशी क्रेडिट पोर्टफोलियो (15% से अधिक) में अच्छी वृद्धि दर्ज करके व्यवसाय पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। सावधानीपूर्वक क्रेडिट निगरानी के अलावा, आईबीजी परिसंपत्ति गुणवत्ता में और गिरावट के कारण नुकसान की संभावना को कम करने के लिए तनाव के संकेत दर्शाने वाली परिसंपत्तियों के प्रबंधन में सतर्क रहा है। इसके अलावा, इसने मौजूदा संबंधों को सुदृढ़ करने और नए संबंध बनाने के लिए निर्यातकों, बैंकों आदि के साथ विभिन्न लोकसंपर्क पहलों के माध्यम से ग्राहकों के साथ अपना जुड़ाव बनाए रखा है।

आईबीजी ने क्रय-विक्रय अनुपात (स्प्रेड) कम होने और ऋण वृद्धि की चुनौतियों के बावजूद अपनी लाभप्रदता बनाए रखी है। इसने साल-दर-साल आधार पर निवल ब्याज आय, गैर-ब्याज आय, परिचालन लाभ आदि जैसे महत्वपूर्ण मापदंडों में उल्लेखनीय सुधार प्रदर्शित किया है। यह अपनी लाभप्रदता को बढ़ाने के लिए मर्चेंट बैंकिंग, प्राप्य वित्त आदि जैसी नई आय धाराओं का लाभ उठाना जारी रखे हुए है।

आईबीजी के विशिष्ट विभागों ने विभिन्न मोर्चों पर योगदान देकर गति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है:

क्रेडिट योगदान एवं बिजनेस ड्राइवर: जबकि आपका बैंक अन्य भारतीय और विदेशी बैंकों के संयोजन के साथ सिंडिकेटेड सौदों के माध्यम से और द्विपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से ईसीबी के द्वारा विदेशी मुद्रा में ऋण की व्यवस्था करके, अपनी वैश्विक विकास रणनीति में भारतीय कॉरपोरेट्स का एक सक्रिय भागीदार है, यह स्थानीय/वैश्विक बैंकों के साथ भागीदारी करके स्थानीय ऋण में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। आपके बैंक ने 31.03.2022 तक भारतीय कॉरपोरेट्स को 7.69 बिलियन अमरीकी डॉलर और विदेशी संस्थाओं को 16.72 बिलियन अमरीकी डॉलर का विदेशी मुद्रा ऋण स्वीकृत किया।

संवहनीयता: हमारे विदेशी कार्यालयों ने 1 बिलियन अमरीकी डालर की सीमा तक संवहनीयता से जुड़ी मूल्य निर्धारण वाली क्रेडिट सुविधाओं में भाग लिया है।

व्यापार वित्त: आपका बैंक भारत और विदेशों में सभी समय क्षेत्रों में संचालित व्यापक, सुसज्जित शाखा नेटवर्क के माध्यम से निर्यातकों और आयातकों को व्यापार वित्त उत्पादों और सेवाओं की श्रृंखला उपलब्ध कराता है। आईबीजी के वैश्विक व्यापार विभाग (जीटीडी) का उद्देश्य व्यापार वित्त पोर्टफोलियो के व्यवस्थित विकास के लिए हमारे विदेशी कार्यालयों (एफओ) का सहयोग करना है, बाजार की मांग और बदलते नियामक मानदंडों के अनुसार एफओ के लिए नीतियां और नए उत्पाद तैयार करना है।

जीटीडी भारतीय कॉरपोरेट्स को बोली प्रक्रिया के केंद्रीकृत हैंडलिंग द्वारा उनके आयात के लिए व्यापार क्रेडिट की सुविधा प्रदान करता है और अधिकतम लाभ के लिए घरेलू और विदेशी कार्यालयों के बीच व्यापार प्रवाह के तालमेल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह व्यापार निकायों जैसे बीएएफटी (बैंकर्स एसोसिएशन फॉर फाइनेंस एंड ट्रेड), जीटीआर (ग्लोबल ट्रेड रिव्यू) आदि के साथ साझेदारी करके व्यापार संबंधी कार्यशालाओं/सम्मेलनों का भी आयोजन करता है। निर्यातकों/नियामकों/उद्योग की बड़ी कंपनियों के साथ नेटवर्किंग के लिए मंच प्रदान करने के लिए आईसीसी, एफआईईओ आदि के साथ साझेदारी करके कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं।

व्यापार वित्त व्यापार पोर्टफोलियो आईबीजी अग्रिम पोर्टफोलियो का ~ 31% हिस्सा है। ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा एसबीआई को लगातार दसवें वर्ष "बेस्ट ट्रेड फाइनेंस प्रोवाइडर(इंडिया)-2022" से सम्मानित किया गया है।

विदेशी ट्रेजरी प्रबंधन: अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह में ट्रेजरी मैनेजमेंट ग्रुप(टीएमजी) विदेशी कार्यालयों के लिए निम्नलिखित कार्य करता है:

- तरलता प्रबंधन
- डीलिंग रूम परिचालन
- निवेश

टीएमजी-आईबीजी आईबीजी के समग्र तरलता पोर्टफोलियो का प्रबंधन करता है और एएलएम अनुपात पर भी नजर रखता है। टीएमजी बॉन्ड जारी करने (एमटीएन/स्टैंडअलोन 144ए), सिंडिकेटेड लोन आदि के माध्यम से दीर्घकालिक और मध्यम अवधि के फंड जुटाने के लिए नोडल विभाग है। इसके अलावा, टीएमजी संसाधनों की लागत को नियंत्रण में रखने के लिए उधार के विभिन्न साधनों का भी उपयोग करता है। वित्त वर्ष के दौरान, संसाधनों की लागत को अनुकूलित करने के लिए, टीएमजी ने कुछ उच्च लागत वाली उधार का पूर्व भुगतान किया है और उन्हें कम लागत वाले निधियों के साथ बदल दिया है। टीएमजी प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण पर विदेशी मुद्रा वित्त/ पुनर्वित्त की व्यवस्था करने में बहुपक्षीय/ अधिराष्ट्रिक (सुप्रानेशनल) संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

वित्तीय वर्ष 22 के दौरान, बैंक ने जनवरी 2022 में अब तक के सबसे ऊंचे मूल्य पर किसी भी भारतीय बैंक द्वारा जारी किए गए 5 साल के बांड के लिए 300 मियो के फॉर्मोसा बांड जारी किए हैं। यह भारत में किसी भी वाणिज्यिक बैंक द्वारा जारी किया जाने वाला पहला फॉर्मोसा भी था।

टीएमजी बैंक के विदेशी परिचालनों के निवेश खाते का प्रबंधन भी करता है, जो वर्तमान में ~ 7.06 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। ये निवेश आईबीजी के लिए स्थिर ब्याज आय प्रदान करते हैं और तरलता अनुपात को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। विभाग प्रमुख केंद्रों पर डीलिंग रूम की निगरानी और मार्गदर्शन भी करता है, और एफओ में मुद्रा बाजार, विदेशी मुद्रा और व्युत्पन्न कार्यों की सुविधा प्रदान करता है।

वर्तमान में लंदन, न्यूयॉर्क, हांगकांग, बहरीन और आईएफएससी गिफ्ट सिटी में पांच प्रमुख डीलिंग रूम हैं, जो छोटे विदेशी कार्यालयों को उनके संचालन में मदद करने के लिए हब और स्पोक मॉडल पर काम करते हैं। आपका बैंक आईबीयू गिफ़्ट सिटी को एक अन्य धन उगाहने वाले केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए भी काम कर रहा है। वित्त वर्ष 22 में, आपके बैंक ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान शुरू किए गए हांगकांग, सिंगापुर और आईएफएससी बीयू (गांधीनगर) के माध्यम से रुपया नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड्स (एनडीएफ) में व्यापार

का विस्तार किया है और इस गतिविधि को अन्य केंद्रों में भी विस्तारित करने की उम्मीद कर रहा है।

टीएमजी ने बैंक में लिबोर पारगमन गतिविधियों का समन्वय किया है। आपके बैंक ने यूएसडी लिबोर के अलावा एआरआर में पारगमन के लिए 31 दिसंबर 2021 की ट्रांजिशन टाइमलाइन को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। सभी घरेलू शाखाएं और साथ ही विदेशी कार्यालय एआरआर से जुड़े उत्पादों को प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं तथा 01 जनवरी 2022 से एआरआर से जुड़े उत्पादों की पेशकश शुरू कर दी है।

वैश्विक भुगतान और सेवाएं वैश्विक भुगतान और सेवाएं अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) के तहत एक इकाई ग्लोबल पेमेंट्स एंड सर्विसेज (जीपी एंड एस) में तीन शाखाएं /कार्यालय शामिल हैं, जैसे ग्लोबल लिंक सर्विसेज (जीएलएस), अन्तर्राष्ट्रीय सेवा शाखा मुंबई (आईएसबीएम), और अन्तर्राष्ट्रीय सेवा शाखा एर्नाकुलम (आईएसबीई)। यह विदेशों से भारत के लिए ऑनलाइन आवक प्रेषण, विदेशी मुद्रा चेक संग्रह, वोस्ट्रो खाते खोलने और रखरखाव, एशियाई समाशोधन संघ (एसीयू) लेनदेन और विदेशी आर्थिक मामलों के बैंक (बीएफईए) सोवियत संघ के लेनदेन की सुविधा प्रदान करता है। वर्ष की मुख्य विशेषताएं हैं:

- विदेशों से भारत में आने वाले रुपए के प्रेषण को चैनलाइज़ करने के लिए 45 एक्सचेंज कंपनियों और पांच बैंकों के साथ टाई-अप।
- वित्त वर्ष 2022 के दौरान, घरेलू शाखाओं की ओर से जीपीएंडएस ने 55,467 निर्यात बिल (यूएसडी और यूरो में) और 16,500 विदेशी मुद्रा चेक संग्रह को मिलाकर कुल 14.98 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक का कारोबार किया।
- इसी अवधि के दौरान, जीपीएंडएस ने विभिन्न वैश्विक केंद्रों से प्राप्त 6.693 बिलियन अमरीकी डालर की राशि के 9.666 मिलियन ऑनलाइन आवक प्रेषण लेनदेन को संसाधित किए।
- विभिन्न संपर्ककर्ता बैंकों/विनिमय कंपनियों/ एसबीआई विदेशी कार्यालयों के लिए 164 वोस्ट्रो खाते बनाए गए हैं।
- एसबीआई के लिए एसीयू/बीएफईए लेनदेन को संभालने के लिए अखिल भारतीय नोडल कार्यालय है ।

खुदरा कार्यनीति: आपका बैंक अपने विशिष्ट खुदरा और प्रेषण उत्पादों के माध्यम से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले एनआरआई के लिए "भारत के लिए खिड़की" रहा है। इस वर्ष की उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं:

योनो एसबीआई, बैंक की सबसे महत्वाकांक्षी और सुरक्षित डिजिटल उत्पादों में से एक है जो अब हमारे विदेशी कार्यालयों में ग्राहकों के लिए उपलब्ध करायी गई है। इसे यूके, कनाडा, मॉरीशस, नेपाल, मालदीव, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और बहरीन में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है, जिसमें यूके और कनाडा में बगैर उपस्थिति के खाता खोलने की सुविधा है। हम वित्त वर्ष 2023 के दौरान सिंगापुर और यूएसए में एसबीआई योनो को लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। योनो के माध्यम से 83,000 से अधिक विदेशी ग्राहकों को जोड़ा गया है।

योनो एसबीआई यूके का "नमस्ते यूके" उत्पाद लॉन्च किया गया है, जो संभावित भारतीय प्रवासियों को यूके में उतरने से पहले ही, भारत से ही एसबीआई यूके के साथ खाता खोलने में सक्षम बनाता है। कनाडा के विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने वाले भारतीय छात्रों के लिए छात्र जीआईसी खातों के लिए कनाडा में भी इसी तरह का उत्पाद लॉन्च किया गया है। हम आने वाले महीनों में सिंगापुर में भी इसी तरह का उत्पाद लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं।

योनो ग्लोबल की "वन व्यू" सुविधा हमारे विदेशी कार्यालयों के ग्राहकों को योनो ग्लोबल ऐप के माध्यम से अपने घरेलू एसबीआई खातों को देखने की अनुमति देती है, व्यावहारिक रूप से घरेलू योनो एसबीआई की सभी पूछताछ सुविधाओं को हमारे वैश्विक संस्करण के साथ मिलाती है। 3900 से अधिक एसबीआई विदेश कार्यालय के ग्राहक पहले से ही इस सुविधा का उपयोग कर रहे हैं।

वित्तीय संस्थान समूह (एफआईजी) - संपर्की संबंध यह समूह अंतरराष्ट्रीय हितधारकों जैसे वित्तीय संस्थान (एफआई), विदेशी सरकार एजेंसियों और विकासात्मक वित्तीय संस्थान (डीएफआई), आदि के साथ बैंक के जुड़ाव की सुविधा प्रदान करता है और आईबीजी और अन्य व्यावसायिक कार्यक्षेत्र जैसे कॉरपोरेट खाता समूह, वाणिज्यिक ग्राहक समूह, खुदरा बैंकिंग समूह और वैश्विक बाजारों के बीच तालमेल की सुविधा प्रदान करता है।

एफआईजी 56 देशों में 224 बैंकों के नेटवर्क के साथ संपर्की बैंकिंग संबंधों को बनाए रखने और समीक्षा करने में एक धुरी के रूप में कार्य करता है। यह घरेलू और विदेशी दोनों कार्यालयों द्वारा स्थापित आरएमए (रिलेशनशिप मैनेजमेंट एप्लीकेशन) को भी बनाए रखता है, बैंक के पास अब तक 116 देशों में 845 बैंकों के साथ 4255 आरएमए हैं।

एफआईजी अपने एफआई सीआरएम (वित्तीय संस्थान - ग्राहक संबंध प्रबंधन) एप्लिकेशन के माध्यम से डेटा आधारित दृष्टिकोण अपनाता है, जो हमारे सहयोगी बैंकों के साथ जुड़ाव का 360-डिग्री दृश्य प्रदान करता है।

एफआईजी 30 देशों में हमारे अपने नेटवर्क द्वारा पेश की जाने वाली व्यापक उपस्थिति और उत्पाद क्षमताओं का उपयोग करके सभी भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के बैंकों के लिए एसबीआई को पसंदीदा वैश्विक बैंकर बनाने का प्रयास करता है।

एफआईजी सीमा पार व्यापार वित्त, सिंडीकेटेड ऋण, ट्रेजरी और विदेशी मुद्रा समाधान और अन्य लेनदेन बैंकिंग गतिविधियों के क्षेत्रों में व्यापार विकास के लिए घरेलू और विदेशी वित्तीय संस्थानों के साथ संबंधों का लाभ उठाता है।

आपसी संबंध मूल्य को बैंक की निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाता है जिसमें संसाधन जुटाना, नए नोस्ट्रो/वोस्ट्रो खाते खोलना और बैंकों के साथ रणनीतिक गठजोड़ व्यवस्था आदि शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग-घरेलू आपका बैंक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित एक व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से निर्यातकों और आयातकों को उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है।

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग-घरेलू (आईबीडी) व्यापार वित्त और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग से संबंधित क्षेत्रों में घरेलू कार्यालयों और विदेशी कार्यालयों के बीच संपर्क के एकल बिंदु के रूप में कार्य करता है। आईबीडी का उद्देश्य घरेलू कार्यालयों और विदेशी कार्यालयों/संवाददाता बैंकों और व्यापारिक समुदाय के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करके उनके बीच तालमेल और व्यापार प्रवाह में सुधार करना है।

आईबीडी शाखाओं, व्यापार निकायों और अन्य हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से शामिल होकर निर्यात ऋण के विकास की सुविधा प्रदान करता है। परिणामस्वरूप, बैंक के निर्यात ऋण पोर्टफोलियो (बकाया ऋण) में 31 मार्च (वर्ष-दर-वर्ष) की स्थिति के अनुसार 32.98% की वृद्धि देखी गई।

व्यापार समुदाय को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आईबीडी द्वारा हर साल विदेशी मुद्रा सेवा शुल्कों को तर्कसंगत और बाजार के साथ समायोजित किया जा रहा है। आईबीडी एक्जिम एंटरप्राइज/स्विफ्ट में सिस्टम से संबंधित संवर्धन और अपडेट की सुविधा भी प्रदान करता है।

प्रसंस्करण के लिए केंद्रीकृत समन्वय सेल विदेशी बैंक गारंटी (सीसीसी-एफबीजी) आवक और जावक विदेशी बैंक गारंटी के विशेष रूप से आईबी-घरेलू के तत्वावधान में स्थापित किया गया है ताकि संवाददाता बैंकों/विदेशी कार्यालयों/घरेलू बैंकों/ घरेलू कार्यालयों को उनके काउंटर गारंटियों के आधार पर घरेलू/विदेशी बैंक गारंटी की मांग करने के लिए एक ही स्थान पर समाधान प्रदान किया जा सके।

आईबीडी पूरे बैंक में फेमा अनुपालन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभाग फेमा/आरबीआई दिशानिर्देशों में संशोधन के संबंध में निर्देश जारी करने के अलावा आरबीआई/फेमा से संबंधित रिटर्न समय पर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करता है।

विदेशी कार्यालयों में प्रौद्योगिकी पहल: आपका बैंक प्रक्रियाओं को स्वचालित करने, ग्राहक अनुभव को बढ़ाने और जोखिम का प्रबंधन करने के लिए प्रौद्योगिकी समाधानों का लाभ उठा रहा है। आपका बैंक सभी भौगोलिक क्षेत्रों में हमारे ग्राहकों को ओमनी-चैनल अनुभव प्रदान करने के लिए लगातार डिजिटल चैनलों का लाभ उठा रहा है। योनो ग्लोबल ऐप खुदरा ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रमुख आधार के रूप में उभरा है। बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने के लिए ऐप का उपयोग करने वाले लगभग 50% ग्राहक आधार के साथ यह प्लेटफ़ॉर्म ऑनलाइन खाता खोलने, क्यूआर कोड के माध्यम से वास्तविक समय में भुगतान, बिल भुगतान आदि जैसी उन्नत सुविधाओं के साथ विकसित हुआ है।

आपके बैंक ने नवीनतम सुविधाओं और उद्योग मानकों के अनुरूप अपने ई-बैंकिंग वेब प्लेटफॉर्म के पूर्ण सुधार की शुरुआत की है। यह वर्ष के दौरान 6 भौगोलिक क्षेत्रों में पूरा किया गया है। बढ़ी हुई दक्षता के साथ-साथ लागत बचत के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से, बैक-ऑफिस प्रक्रियाओं के समेकन ने अब 2 और भौगोलिक क्षेत्रों अर्थात कनाडा और सिंगापुर (यूके और बहरीन के अलावा) से नौकरियों के स्थानांतरण के साथ गति प्राप्त की है। आपके बैंक ने सुनिश्चित किया है कि उद्योग मानकों के अनुसार आंतरिक सेवा स्तर के समझौतों में प्रवेश करके इन सेवाओं के लिए डेटा गोपनीयता और उचित प्रशासन सहित सभी अनुपालन पहलुओं को सुनिश्चित करे।

अनुपालन को सर्वोच्च वरीयता देते हुए, आपके बैंक ने सभी भौगोलिक क्षेत्रों में निर्धारित समय सीमा के अनुसार नियामक निर्धारित आईटी विकास को आरंभ किया है। इनमें बहरीन में कार्ड टोकन और ऑनलाइन धनवापसी के कार्य शामिल है। अन्य विकासों में डेटा साझाकरण के लिए ऑनलाइन ग्राहक सहमति पंजीकरण तथा एएमएल-सीएफटी नियंत्रणों के लिए गो-एएमएल रिपोर्टिंग शामिल हैं।

यूएई एक्सपो 2020 के दौरान अध्यक्ष श्री दिनेश खारा का दुबई दौरा

श्री अश्विनी कुमार तिवारी (एमडी-आईबी, टीएंडएस) और श्री संजय डी नाइक (डीएमडी, आईबीजी) एसबीआई के सबसे पुराने विदेशी परिचालन कोलंबो शाखा में अपनी यात्रा के दौरान।

एसबीआई लंदन के शताब्दी समारोह की पूर्व संध्या के अवसर पर एलएसई मार्केट की ओपनिंग करते हुए अध्यक्ष श्री दिनेश खारा, साथ हैं श्री अश्विनी कुमार तिवारी (प्रबंध निदेशक- आईबी, टीएंडएस), श्री संजय डी नाइक (उप प्रबंध निदेशक- आईबीजी) तथा उच्चाधिकारी एल्डरमैन विन्सेंट केवेनी, लंदन शहर के लॉर्ड मेयर 2021-22 एवं लंदन स्टॉक एक्सचेंज पीएलसी की सीईओ जूलिया हॉगट।

आपके बैंक ने वर्ष के दौरान अपने विदेशी कार्यालयों/सहायक कंपनियों में एक अत्याधुनिक केंद्रीय प्रावधानित रिपोर्टिंग प्रणाली के माध्यम से नियामक रिपोर्टिंग का स्वचालन शुरू किया है और वित्तीय वर्ष 23 तक रोल-आउट पूरा करने की योजना है। आपके बैंक ने सिंगापुर में रीयल-टाइम तत्काल भुगतान प्रणाली, अर्थात् जी 3-फास्ट (FAST) के साथ ऑनलाइन एकीकरण पूरा कर लिया है। यह रीयल-टाइम के आधार पर (24x7x365) भुगतान प्रसंस्करण को सक्षम करेगा, निपटान जोखिम को कम करते हुए नवीन और व्यावसायिक रूप से आकर्षक उत्पादों को वितरित करने की क्षमता को अधिकतम करेगा।

7. वाणिज्यिक ग्राहक समूह (सीसीजी)

वाणिज्यिक ग्राहक

सीसीजी वर्टिकल मध्यम और बड़े कॉरपोरेट ग्राहकों की 50 करोड़ रुपए से अधिक के वित्त पोषण आवश्यकताओं को पूरा करता है। सीसीजी की देश भर में 51 शाखाएं फैली हुई हैं, जिनमें महाप्रबंधक की अध्यक्षता वाली 3 प्रत्यक्ष शाखाएं शामिल हैं। वर्टिकल में हीरा, सिरेमिक और पूंजी बाजार जैसे विशिष्ट उद्योगों को सेवा देने वाली विशेष शाखाएं भी शामिल हैं। इस वर्टिकल का मुख्य कार्य कॉरपोरेट ग्राहकों की संपूर्ण जरूरतों को पूरा करना, संबंधित जोखिमों का प्रबंधन करना और विकास की गति बनाए रखना है।

सीसीजी वर्टिकल का नेतृत्व उप प्रबंध निदेशक के द्वारा प्रबंध निदेशक (सीबी एवं जीबी) के संरक्षण में किया जाता है। इसके पोर्टफोलियो का प्रबंधन 5 मुख्य महाप्रबंधकों के द्वारा किया जाता है (1 मुख्य महाप्रबंधक परियोजना वित्त सहित) और 1 मुख्य महाप्रबंधक परिचालन का कार्यभार देखते हैं। सीसीजी में मुख्य महाप्रबंधक को कवरेज की गुणवत्ता में सुधार करने और पूरे समूह में जोखिम और आय के एक एकीकृत दृष्टिकोण से समन्वय के लिए समूह संबंध प्रबंधन का कार्यभार सौंपा गया है। सीसीजी का व्यवसाय मॉडल भी संबंध प्रबंधक के नेतृत्व में प्रत्येक रिलेशनशिप टीम के साथ संबंध प्रबंधन अवधारणा पर आधारित है और कुशल क्रेडिट विश्लेषकों और ऑपरेटिंग कार्यकर्ताओं द्वारा समर्थित है। इसलिए संबंध टीम ग्राहक की संपूर्णआवश्यकताओं को संभालने में सक्षम है और विभिन्न एसबीयू में उपलब्ध कुशल प्रबंधकों का इस कार्य में उपयोग करती है जिससे ग्राहक की आवश्यकताओं का संपूर्ण समाधान किया जा सके। सीसीजी ने 7 जून, 2019 के आरबीआई के दिशानिर्देशों के तहत और 200 करोड़ रुपए से अधिक के जोखिम वाले ग्राहकों के लिए अनुमोदित समाधान योजना की निगरानी तथा महामारी के कारण समाधान की आवश्यकता वाले ग्राहकों की विशेष आवश्यकताओं को संभालने के लिए केंद्रीकृत समाधान टीम का भी गठन किया है। समय पर और व्यापक हस्तक्षेप समाधान के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू है।

वर्ष के दौरान निर्यात ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कुछ प्रमुख पहल इस प्रकार हैं:

टी-बिल दर का रूपया निर्यात ऋण में विस्तारः बाहरी बेंचमार्क (टी-बिल दर) से जुड़ी ब्याज दरों को डब्ल्यूसीएल और एलसी बिल डिस्काउंटिंग सुविधाओं तक बढ़ाया जाता है ताकि टॉप-रेटेड उधारकर्ताओं को उपयोग की सीमा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। वर्तमान प्रतिस्पर्धी बाजार को ध्यान में रखते हुए, ब्याज दरों से जुड़ी टी-बिल दर को भी रुपया निर्यात पैकिंग क्रेडिट सुविधाओं तक बढ़ा दिया गया है।

निर्यातकों की बैठकः एसबीआई द्वारा दी जाने वाली बैंकिंग सुविधाओं के बारे में निर्यातकों की जागरूकता बढ़ाने के लिए भारत भर में विभिन्न निर्यातकों की बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

ट्रैक्स (TRRACS) सॉफ्टवेयरः आपके बैंक ने ट्रेड रेगुलेटरी रिपोर्टिंग एंड कंप्लायंस सॉल्यूशन (टीआरआरएसीएस) सॉफ्टवेयर प्रस्तुत किया है, जिससे समय के साथ लंबित ईडीपीएमएस/आईआरएम/निर्यात अग्रिम की प्रविष्टियों में कमी आई है और हम इन प्रविष्टियों को हटाने में काफी हद तक सफल हुए हैं।

इन पहलों के अलावा डिजिटल इंटरफेस ऑन प्राइसिंग एंड नॉलेज (DIPAK), एक मूल्य निर्धारण उपकरण, हमारे कॉरपोरेट ऋणों के डेटा-संचालित मूल्य निर्धारण को मजबूत करने के लिए संचालन अधिकारियों और मंजूरी समिति यों को उपलब्ध कराया गया है। यह सीसीजी की सभी शाखाओं में सक्रिय रूप से उपयोग किया गया है।

परियोजना वित्त एवं एसबीयू को संरचित करना

आपके बैंक की विशेष व्यावसायिक इकाई जिसे परियोजना वित्त एवं संरचना कार्यनीति व्यवसाय इकाई (पीएफ एंड एस एसबीयू) के रूप में जाना जाता है, बुनियादी ढांचे और अन्य क्षेत्रों जैसे बिजली, सड़क, बंदरगाह, रेलवे, हवाई अड्डे, रिफाइनरी में बड़ी परियोजनाओं के लिए धन के मूल्यांकन और व्यवस्था से संबंधित है। इसमें अन्य गैर-बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे कि धातु, उर्वरक, सीमेंट, तेल और गैस, कांच आदि को भी न्यूनतम परियोजना लागत पर निश्चित सीमा के साथ शामिल किया गया है। पीएफ एंड एस एसबीयू अन्य वर्टिकल को उनके बड़े टिकट मीयादी ऋण प्रस्तावों की जांच में भी सहायता प्रदान करता है। बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए नीति और नियामक ढांचे को मजबूत करने